

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 298]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 18, 1990/आषाढ़ 27, 1912

No. 298]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 18, 1990/ASADHA 27, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1990

मा. का. नि. 647 (अ):—राष्ट्रपति द्वारा जारी की गई निम्न-  
लिखित उद्घोषणा सर्वसाधारण के सूचनायें प्रकाशित की जा रही हैं:—

मत: मुझे, भारत के राष्ट्रपति, आर. वेंकटरामन को जम्मू व कश्मीर  
राज्य के राज्यपाल से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई है, और इस रिपोर्ट तथा  
मुझे प्राप्त अन्य सूचना पर विचार करने के बाद मेरा समाधान हो गया है  
कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसमें उस राज्य का शासन भारत  
के संविधान, जैसा कि वह उस राज्य पर लागू है, (जिसे इसमें इसके  
परन्तु "संविधान" कहा गया है) और जम्मू व कश्मीर के संविधान (जिसे  
इसमें इसके परन्तु "राज्य संविधान" कहा गया है) के उपबंधों के अनुसार  
नहीं चलाया जा सकता है;

अतः अब मैं, संविधान के अनुच्छेद 356 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का तथा  
उस निमित्त मुझे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते  
हुए एतद्वारा उद्घोषणा करता हूँ कि मैं—

(क) संविधान और राज्य संविधान के अधीन उक्त राज्य की सरकार  
के सभी कार्य और उस राज्य के राज्यपाल में निहित शक्तों

उनके द्वारा प्रयोज्य सभी शक्तियाँ भारत के राष्ट्रपति  
के रूप में स्वयं संभालाऊँ,

(ख) उद्घोषित करता हूँ कि उक्त राज्य के विधान मंडल की  
शक्तियाँ संभव द्वारा प्रथम उनके प्राधिकार के अधीन प्रयोज्य  
होंगी; और

(ग) निम्नलिखित आनुषंगिक और पारिणामिक उद्देश्य करता हूँ जो  
इस उद्घोषणा के उद्देश्यों को प्रभावी बनाने के लिए मुझे  
आवश्यक या वांछनीय प्रतीत होते हैं; अर्थात्:—

(1) पूर्वोक्त के अनुसार, इस उद्घोषणा के खण्ड (क) के  
आधार पर मेरे द्वारा संभाले गए कार्यों तथा शक्तियों  
का प्रयोग करने में मेरे लिए, भारत के राष्ट्रपति के  
रूप में, उन सभी तक जिस तक मैं ठीक समझूँ, उक्त  
राज्य के राज्यपाल के माध्यम से कार्य करना विवक्षित  
होगा;

(2) संविधान के तथा राज्य संविधान के निम्नलिखित उपबंधों  
के प्रवर्तन को एतद्वारा निश्चित किया जाता है,  
अर्थात्:—

संविधान के अनुच्छेद 3 के पदों परन्तु का उक्त  
भाग जितने का संबंध राष्ट्रपति द्वारा राज्य विधानमंडल



giving effect to the objects of this proclamation, namely:-

- (i) in the exercise of the functions and powers assumed to myself by virtue of clause (a) of this proclamation as aforesaid, it shall be lawful for me as President of India to act to such extent as I think fit through the Governor of the said State;
- (ii) the operation of the following provisions of the constitution and of the State constitution, is hereby suspended, namely:-

so much of the first proviso to article 3 of the Constitution as relates to the reference by the president to the Legislature of the state and the second proviso to that article; so much of clause (2) of article 151 of the Constitution as relates to the laying before the Legislature of the State of the report submitted to the Governor by the Comptroller and Auditor-General of India;

sections 35 to 41(both inclusive), so much of section 43 as relates to the allocation among the Ministers of the business of the Government of the State, section 44, sub-section (1) and clause (a) of sub-section (2) of section 53, sections 54, 55, 56 and 57, clauses (b) and (c) of section 58 and the first proviso thereto, section 59, section 60, sub-section (2) of section 61 so far as it relates to clause (c) of, and the first proviso to section 58 and to section 60; sections 65, 66, 67, 71 and 72; sections 74, 75 and 76, sub-sections (3) and (4) of section 77, sections 85 to 88 (both inclusive) and so much of section 137 as relates to the laying of the report with a memorandum before

the Legislature of the State, of the State Constitution:

- (iii) any reference in the Constitution and the state Constitution to the Governor shall, in relation to the said State, be construed as a reference to the President, and any reference in the Constitution and the State Constitution to the Legislature of the State or the Houses thereof shall, in so far as it relates to the functions and powers thereof, be construed, unless the context otherwise requires, as a reference to Parliament, and in particular, the reference in section 91 of the State Constitution to the Governor and to the Legislature of the State or the Houses thereof, shall be construed as references to the President and to Parliament or to the Houses thereof respectively;

Provided that nothing herein shall affect the provisions of sub-section (1) of section 26, sections 27 to 31 (both inclusive), section 122, section 143 and paragraph 1 to 8 (both inclusive) of the Second Schedule to the State Constitution or prevent the President from acting under sub-clause (i) of this clause to such extent as he thinks fit through the Governor of the said State:

- (iv) any reference in the Constitution or in the State Constitution to Acts or laws of, or made by, the Legislature of the State shall be construed as including a reference to Acts or laws made, in exercise of the powers of the Legislature of the State, by Parliament, by virtue of this Proclamation or by the President or other authority referred to in sub-clause (a) of clause (1) of article 357 of the Constitution, and the Jammu and Kashmir General Clauses Act, 1977 (Act No. XX of 1977) and so much of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897) as

applies to State laws, shall have effect in relation to any such Act or law as if it were an Act of the Legislature of the State.

New Delhi. R. VENKATARAMAN,  
The 18th July, 1990 PRESIDENT

## ORDER

New Delhi, the 18th July, 1990

G.S.R. 648 (E):—The following Order by the President is published for general information:—

[F.No. V/11013/4/90-CSR]

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1990

आदेश

सा. का. नि. 648 (अ).—राष्ट्रपति द्वारा जारी किया गया निम्नलिखित आदेश सर्वसाधारण की सूचना के प्रकाशन किया जा रहा है:—

भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 के अधीन में जारी आज जुलाई, 1990 के अठारहवें दिन जारी की गई उद्घोषणा के खंड (ग) के उप-खंड (1) के अनुसरण में, मैं पुनः द्वारा निर्देश देता हूँ कि जम्मू व कश्मीर राज्य सरकार के सभी कृत्य तथा संविधान और जम्मू व कश्मीर के संविधान के अधीन या उस राज्य में प्रवृत्त किसी विधि के अधीन उस राज्य के राज्यपाल में निहित या उसके द्वारा प्रयोग में सभी अधिकार, जिनको राष्ट्रपति ने उक्त उद्घोषणा के खंड (क) के पदों पर उसे सौंपा है, उक्त राज्य के राज्यपाल द्वारा ही प्रयोज्य होंगे।

नई दिल्ली,  
दिनांक 18 जुलाई, 1990

आर. वेंकटरामन,  
राष्ट्रपति

[फा. सं. 5/11013/4/90—सी. एस. आर.]

नरेश चन्द्र,  
गृह सचिव

In pursuance of sub-clause (i) of clause (c) of the Proclamation issued on this the 18th day of July 1990, by me under article 356 of the Constitution of India, I hereby direct that all the functions of the Government of the State of Jammu and Kashmir and all the powers vested in or exercisable by the Governor of that State under the Constitution and the Constitution of Jammu and Kashmir or under any law in force in that State, which have been assumed by the President by virtue of clause (a) of the said proclamation, shall, subject to the superintendence, direction and control of the President, be exercisable also by the Governor of the said State.

New Delhi.  
The 18th July, 1990.

R. VENKATARAMAN,  
PRESIDENT

[F.No. V/11013/4/90-CSR]  
(NARESH CHANDRA)

Home Secy.